OFAI का आठवां द्विवार्षिक सम्मेलन इंदौर में

प्रारंभ से ही OFAI की परंपरा रही है कि वह प्रत्येक 2 वर्ष में हर बार किसी नए राज्य में किसान और उपभोक्ताओं का सम्मेलन आयोजित करता है। इसी क्रम में संगठन का आठवां सम्मेलन मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी तथा देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में किया जाना तय हुआ है। कोरोना महामारी के चलते ऐसे वृहद् आयोजन के लिए शासन और प्रशासन की ओर से अनुमति को लेकर संशय की स्थितियां बनी हुई है फिर भी ओफाई का राज्य संगठन मध्यप्रदेश जैविक कृषि समाज आयोजन की तैयारियों में जुट गया है।

अनुमान है कि इस तीन दिवसीय आयोजन में देश के लगभग सभी राज्यों के 3 से 4000 जैविक किसान तथा 10 से 15000 उपभोक्ता सम्मिलित होंगे। विगत आयोजनों की तुलना में इस बार के आयोजन में उपभोक्ताओं की सहभागिता बढ़ाने के कुछ विशेष उपाय किए जाने पर विशेष प्रयास किए जाएंगे। आयोजन में महिला किसानों की सहभागिता बढ़ाने के लिये पति-पत्नी दोनों का रजिस्ट्रेशन करवाने पर शुल्क में छूट देने का प्रावधान भी विचाराधीन है।

उपभोक्ताओं के लिए एक दिवसीय सहभागिता का भी पंजीयन किया जाएगा। जिसमें उन्हें किसान समूह के साथ ही जैविक भोजन करने की भी सुविधा प्रदान की जाएगी। महिला उपभोक्ताओं की कार्यक्रम में सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजन के तीनों दिनों में एक निश्चित समय पर रासायनिक खाद्य उत्पादों से शरीर को होने वाली हानि, उनसे बचने के उपाय तथा मोटे अनाजों व अन्य खाद्य पदार्थों के पोषणमान संबंधी जानकारियों पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेता महिला प्रतिभागियों को सम्मानित व पुरस्कृत भी किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। भारत सरकार ने भी मोटे अनाजों के विशिष्ट पोषणमान को देखते हुए, इन्हें मोटा अनाज के स्थान पर पोषक अनाज कहने का निर्णय लिया है। अतः हमारे इस आयोजन में भी पोषक अनाजों की खेती तथा भोजन में इसका प्रयोग बढ़ाने के यह भी विशेष प्रयास किए जाएंगे।

उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी हेतु जैविक मोटे अनाजों तथा अन्य सामान्य खाद्य पदार्थों के स्टॉल के अलावा फूड फेस्टिवल के तहत अलग-अलग राज्यों के विशिष्ट व्यंजनों के भुगतान आधारित फूड स्टॉल भी मौजूद होंगे। मोटे अनाजों से बने व्यंजनों के भी स्टॉल रहेंगे। उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों में मौजूद कीटनाशी रसायनों की आसान और शीघ्र जांच करने के किफायती किट उपलब्ध कराने के भी प्रयास किए जाएंगे तथा खाद्य पदार्थों में मौजूद कृषि रसायनों तथा पेथोजन्स (रोगजनकों) की मात्रा कम या समाप्त करने के आसान तरीके भी प्रदर्शित किए जाएंगे, एवं इसी कार्य के लिए कम कीमत के उपकरण भी मुहैया कराने के प्रयास किए जाएंगे। उपभोक्ताओं के घर की छत पर, बालकनी में या आंगन में जैविक किचन गार्डन विकसित करने के लिए भुगतान पर अपनी सेवाएं ऑफर करने वाली टीम भी मौजूद रहेगी। पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली को प्रोत्साहित करने वाली दैनिक आवश्यकताओं की सामग्रियों जैसे परिधान, बर्तन, सौंदर्य प्रसाधन जैसी सामग्रियों के स्टॉल भी मौजूद रहेंगे।

पारंपरिक बीज खोज यात्रा संगठन की एक बहुउद्देशीय गतिविधि होगी। मध्य प्रदेश के लगभग सभी जिलों से यह यात्रा निकाली जाएगी। जिसके लिए किसी मोटर वाहन को बीज रथ का स्वरूप दिया जाएगा। यात्रा का मुख्य उद्देश्य विभिन्न अनाज, दलहन, तिलहन, मसाला,सब्जी आदि फसलों की विलुप्तप्राय प्रजातियों के बीजों का संग्रह करना, प्राप्त बीजों की विशेषताओं का दस्तावेजीकरण करना, तथा अधिक मात्रा में प्राप्त बीजों का अन्य इच्छुक किसानों के मध्य वितरण करना। इसके अलावा सभी जिलों के पारंपरिक बीजों को कायम रखने वाले तथा प्रमुख जैविक किसानों का सम्मान करना, उन्हें सूचीबद्ध करना आदि। मध्यप्रदेश जैविक कृषि समाज का सदस्यता अभियान भी इसी यात्रा के दौरान चलाया जाएगा। इंदौर सम्मेलन का प्रचार-प्रसार एवं किसान तथा उपभोक्ताओं के ऑफलाइन पंजीयन भी इसी दौरान किए जाएंगे। यात्रा के दौरान संगठन से जुड़े किसान अपनी खाद्य सामग्री और जैविक बीजों का विक्रय भी कर सकेंगे। यात्रा के दौरान किसानों और जन सामान्य से सम्मेलन के लिए खाद्य सामग्री तथा नकद के रूप में सहायता भी स्वीकार की जाएगी। बाद में संग्रहित बीजों के प्रगुणन एवं प्रसार की जवाबदारी संगठन से जुड़े कुछ संजीदा किसानों को दी जाएगी।

देश की कृषि नीति तथा किसानों के आर्थिक हालात पर विशेषज्ञों का उद्बोधन एवं देश के कई राज्यों से आने वाले पारंपरिक बीज धन की प्रदर्शनी सम्मेलन के सबसे बड़े आकर्षण होंगे। इनके अलावा अन्य भी कई आकर्षण

होंगे जैसे किसान हाट, जैविक खेती की विभिन्न तकनीकों का एक ही फार्म पर प्रदर्शन, जैविक खेती के विभिन्न प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण, विशेषज्ञ किसानों के साथ संगोष्ठी, चौपाल चर्चा आदि, आदि।